This question paper contains 2 printed pages. Your Roll No.....

7152 A

M. A. / II

BUDDHIST STUDIES – Paper 37
(Buddhist Sects in China)

(Admissions of 2006 to 2008)

Time : 3 hours Maximum Marks :75

(Write your Roll No. on the top of immediately on receipt of this question paper).

Note : Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न–पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिये; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिये।

Attempt any four questions. Question No. 1 is compulsory.
किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रश्न सं. 1 अनिवार्य है।

1. Translate and explain either into English or Hindi any **one** of the following passages: 30
निम्नलिखित अनुच्छेदों में से किसी **एक** का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में व्याख्या सहित अनुवाद कीजिए।

a)

次第二能變　是識名末那
依彼轉緣彼　思量爲性相
四煩惱常俱　謂我癡我見
并我慢我愛　及餘觸等俱
有覆無記攝　隨所生所繫
阿羅漢滅定　出世道無有

b)

善謂信慚愧　無貪等三根
勤安不放逸　行捨及不害
煩惱謂貪瞋　癡慢疑惡見
隨煩惱謂忿　恨覆惱嫉慳
誑諂與害憍　無慚及無愧
掉舉與惛沈　不信并懈怠

2. Describe the development of Pure Land teachings and practice in China. 15
चीन में सुखावती शिक्षाओं के विकास एवं साधना का वर्णन कीजिए।

3. Give an account of the contribution of Fa-Zang in the development of Hua-yan thought in China. 15
चीन में हुआ-येन दर्शन के विकास में फा-त्जांग के योगदान का विवरण दीजिए।

4. Discuss the doctrinal foundations and practice of Chan Buddhism with special reference to the Lin-Ji Chan. 15
लिन-चि छान के विशिष्ट संदर्भ में छान सम्प्रदाय के दार्शनिक आधार एवं साधना की समीक्षा कीजिए।

5. Describe briefly the main tenets of Fa-Xiang school of Buddhism in China. 15
चीन में धर्म-लक्षण सम्प्रदाय के प्रमुख मतों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

6. Write notes on any two of the following: 15
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

a) Hui-Neng (हुई-नंग)

b) Triple Truths of T'ian-Tai school (थिएन-थाय सम्प्रदाय का त्रि-सत्य)

c) Sukhāvati (सुखावती)

d) Wu Shi ba jiao (पंचकाल एवं अष्ट शिक्षाएँ)